[न रिश्वत लेंगे, न रिश्वत देंगे] मुंबई, मंगलवार, 21 जुलाई 2026 । मूल्य 0.00, कुल पृष्ठ 4 [वर्ष: 12, डिजिटल अंक: 262, प्रधान संपादक : पवन जैन पदमावत] +91-9594542679 www.padmavatmedia.in padmavatmedia@gmail.com

दैनिक हिन्दी राष्ट्रीय डिजिटल समाचार पत्र

पदमावत मीडिया

Reg. No. MH180326353

अनमोल वचन

जो अंतर को देखता है, बाह्य को नहीं, वही सच्चा कलाकार है।

हार्दिक हुंडिया की आपत्ति के ... 02 | डिजिटल संस्करण महाराष्ट्र व राजस्थान से प्रकाशित | 03 लुक चेंज करने के लिए...

खबर संक्षेप

वृक्षारोपण व नशा मुक्ति अभियान आयोजित

जबलपुर @ पदमावत मीडिया। भारतीय मानव अधिकार सहकार ट्रस्ट की ओर से घमापुर क्षेत्र में वृहत वृक्षारोपण एवं नशा मुक्ति

जनजागरूकता अभियान आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पुलिसकर्मियों, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकताओं एवं ट्रस्ट पदाधिकारियों की मौजूदगी में करीब 35 पौधे लगाए गए तथा पर्यावरण संरक्षण और नशा मुक्ति का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने जल एवं पर्यावरण संरक्षण को समय की आवश्यकता बताते हुए अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने का आह्वान किया। समापन पर जिला अध्यक्ष (ग्रामीण) सुरेश कुमार पाण्डेय ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए ऐसे अभियान आगे भी जारी रखने की बात कही। राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील सिंह यादव ने इसे संगठन की सेवा, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक जागरूकता की दिशा में प्रेरणादायी पहल बताया।

नीमच माता मंदिर में 39वां नि:शुल्क योग शिविर आयोजित

उदयपुर @ पदमावत मीडिया। पतंजलि योग परिवार की ओर से नीमच माता मंदिर परिसर में 39वां नि:शुल्क योग शिविर

आयोजित किया गया। शिविर में योगाचार्य हीरालाल सुथार, राजेश, लोकेश एवं जया ने योगाभ्यास कराया। डॉ. नरेंद्र सनाढ्य ने आयुर्वेद और योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि दोनों का समन्वय स्वास्थ्य सुधार में प्रभावी भूमिका निभाता है। भारत स्वाभिमान न्यास के जिला प्रभारी मोहन सिंह शक्तावत ने गौ संरक्षण के समर्थन में 27 जुलाई को जिला कलक्टर को ज्ञापन सौंपने तथा हस्ताक्षर अभियान चलाने की जानकारी दी। कार्यक्रम में नियमित योग का संकल्प भी दिलाया गया। मीडिया प्रभारी नरेश पूर्बिया ने बताया कि अगला योग शिविर 26 जुलाई को गुप्तेश्वर महादेव मंदिर परिसर में आयोजित होगा।

काजल सूरी को 'कला साधिका पुरस्कार' से सम्मानित

नई दिल्ली @ पदमावत मीडिया। प्रख्यात नाटककार, लेखिका, कवयित्री, अभिनेत्री एवं प्रसारणकर्ता काजल सूरी को रंगमंच, साहित्य और संस्कृति के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रतिष्ठित 'कला साधिका पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। यह सम्मान

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय (एनएसडी) के समीप आयोजित राष्ट्रीय सांस्कृतिक उत्सव 'विविधा' के दौरान प्रदान किया गया। कला मंडली द्वारा संस्कृति मंत्रालय के सहयोग से आयोजित समारोह में काजल सूरी के रंगमंच, लेखन, निर्देशन, अभिनय और प्रसारण के क्षेत्र में बहुआयामी योगदान को सराहा गया। अब तक उनके 15 नाटक प्रकाशित हो चुके हैं। सम्मान प्राप्त करने के बाद उन्होंने आयोजकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान उन्हें कला और साहित्य के क्षेत्र में और अधिक समर्पण के साथ कार्य करने की प्रेरणा देगा।

अस्थायी अतिक्रमण पर नगर निगम की कार्रवाई, 37 हजार रुपये कैरिंग चार्ज वसूला

जयपुर @ पदमावत मीडिया। नगर निगम जयपुर की सतर्कता शाखा ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए अस्थायी अतिक्रमण हटाए। अभियान के दौरान 37 हजार रुपये कैरिंग चार्ज वसूला गया तथा 4 केंटर सामान जब्त कर गोदाम में भिजवाया गया। नगर निगम आयुक्त ओम कसेरा के निर्देश पर गंगा मार्ग खातीपुरा, बंशीपुरी द्वितीय जगतपुरा, नामदेव कॉलोनी, किसान मार्ग, गैलेक्सी टावर व परशुराम सर्किल विद्याधर नगर तथा वीकेआई रोड नंबर-6 से कालवाड़ रोड क्षेत्र में कार्रवाई की गई।

डबल इंजन सरकार के प्रयासों से खत्म हुआ शेखावाटी का दशकों पुराना इंतजार

यमुना का जल बनेगा शेखावाटी के उज्ज्वल और उन्नत भविष्य की नींव : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कियमुना काजल शेखावाटी के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव बनेगा, जिससे शेखावाटी के सीकर, झुंझुनूं और चूरू जिले विकास, विरासत एवं विश्वास के मॉडल जिले के रूप में उभरेंगे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का संकल्प और समर्पण शेखावाटी के समग्र विकास की आधारशिला बन रहा है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का सोमवार को जयपुर के बिड़ला ऑडिटोरियम में शेखावाटी फाउण्डेशन ने ऐतिहासिकयमुना जल समझौते को लेकर अभिनन्दन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जल सुरक्षा से लेकर आधुनिक सड़क नेटवर्क, ऊर्जा, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, पर्यटन और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण तक प्रत्येक क्षेत्र में योजनाबद्ध कार्य किए जा रहे हैं।

संवाद, समर्पण और समन्वय से शेखावाटी पहुंचेगा यमुना का जल

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारी डबल इंजन की सरकार ने यमुना जल समझौते को साकार किया है। इस समझौते से लगभग 295 किलोमीटर लंबी पाइपलाइन के माध्यम से लगभग 1917 क्यूसेक यमुना जल शेखावाटी तक पहुंचेगा। इससे सीकर, झुंझुनूं और चूरू सहित व्यापक क्षेत्र के करीब 75 लाख लोगों को स्थायी राहत मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शेखावाटी के विकास का सबसे बड़ा प्रश्न हमेशा पानी रहा। वर्ष 1994 में यमुना जल बंटवारे का समझौता हुआ था, लेकिन राजस्थान को उसके अधिकार का पानी नहीं मिला। इस विषय पर हमारी सरकार ने संवाद, समर्पण और समन्वय की रणनीति पर काम किया। इसी का परिणाम है कि तीन दशकों से लंबित यमुना जल समझौता केवल ढाई वर्षों में ही मूर्त रूप ले रहा है।

हवेलियों का हो रहा कायाकल्प, विकास हो रहा साकार

उन्होंने कहा कि शेखावाटी की पहचान उसकी भव्य हवेलियों, विश्वप्रसिद्ध भित्ति-चित्रों और अद्भुत स्थापत्य कला से है। राज्य सरकार ने शेखावाटी हवेली संरक्षण योजना प्रारंभ कर सीकर, झुंझुनूं और चूरू की 662 ऐतिहासिक हवेलियों के संरक्षण तथा पर्यटन उपयोग की कार्ययोजना तैयार की है। साथ ही, यह भी सुनिश्चित किया जा रहा है कि हवेलियों के मूल स्वरूप से किसी प्रकार की छेड़छाड़ न हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने शेखावाटी को आधुनिक सड़क नेटवर्क से जोड़ने की दिशा में ऐतिहासिक पहल की है। कोटपूतली-किशनगढ़ ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे और बीकानेर-कोटपूतली एक्सप्रेस-वे से सीकर, झुंझुनूं और चूरू क्षेत्र के लोगों का दिल्ली-एनसीआर और पश्चिमी राजस्थान के बीच आवागमन सुगम होगा। इससे परिवहन, उद्योग, कृषि और पर्यटन जैसे क्षेत्रों को व्यापक लाभ मिलेगा।

वीरता, उद्यमिता और आस्था की भूमि है शेखावाटी

उन्होंने कहा कि शेखावाटी वीरों, धोरों, संतों, शहीदों एवं भामाशाहों की वीर प्रसूता भूमि है। शेखावाटी के पराक्रमी सपूतों ने सर्जिकल स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर में अपने अदम्य साहस की अमिट छाप छोड़ी है। उन्होंने कहा कि शेखावाटी के सपूतों ने अपने परिश्रम और व्यापार कौशल से बड़े-बड़े व्यापारिक घराने, कॉरपोरेट संस्थान स्थापित कर देश को आर्थिक रूप से संपन्न बनाया है। विकट भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद यहां के निवासी मेहनत करने में किसी से पीछे नहीं हैं। उन्होंने कहा कि शेखावाटी के खाटूश्यामजी, सालासर बालाजी, जीण माता, शाकंभरी माता, हर्षनाथ, लोहार्गल, नवलगढ़, मंडावा और डूंडलोद जैसे धार्मिक एवं ऐतिहासिक स्थल सांस्कृतिक चेतना के प्रमुख केन्द्र हैं।

नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झाबर सिंह खर्रा ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में शेखावाटी की दशकों पुरानी जल आवश्यकता पूरी हुई है, जिससे सीकर, झुंझुनूं और चूरू जिले में विकास की राह प्रशस्त होगी। पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने कहा कि यह ऐतिहासिक समझौता पूर्व उपराष्ट्रपति भैरों सिंह शेखावत को सच्ची श्रद्धांजलि है। इस अवसर पर सैनिक कल्याण बोर्ड अध्यक्ष प्रेम सिंह बाजोर,विधायककालीचरण सराफ, गोरधन वर्मा, हरलाल सहारण, राजेंद्र भांबू, सुभाष मील, गोपाल शर्मा, धर्मपाल गुर्जर, विक्रम सिंह जाखल सहित अन्य जनप्रतिनिधि,शेखावाटी फाउंडेशन के पदाधिकारी, विभिन्न सामाजिक, धार्मिक, व्यापारिक संगठनों के पदाधिकारी एवंबड़ी संख्या में शेखावाटी अंचल के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

उदयपुर में पंचकर्म चिकित्सा शिविर को मिला जबरदस्त प्रतिसाद

पहले ही दिन उमड़ी रोगियों की भीड़, दूसरे जिलों से भी पहुंचे मरीज; आधुनिक जीवनशैली से बढ़ रहे घुटनों के रोग, आयुर्वेद अपनाने की सलाह

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

उदयपुर। आयुर्वेद विभाग, राजस्थान के तत्वावधान में आरोग्य समिति एवं राजकीय आदर्श आयुर्वेद औषधालय, सिंधी बाजार द्वारा आयोजित 48वें निःशुल्क विशाल पंचकर्म चिकित्सा शिविर का सोमवार को उत्साहपूर्ण शुभारंभ हुआ। शिविर के पहले ही दिन बड़ी संख्या में रोगियों की भीड़ उमड़ पड़ी। उदयपुर ही नहीं, बल्कि आसपास के कई जिलों से आए मरीजों ने भी पंचकर्म चिकित्सा एवं विशेषज्ञ आयुर्वेदिक परामर्श का लाभ लिया। रोगियों में आयुर्वेद के प्रति बढ़ते विश्वास और उत्साह ने शिविर को विशेष बना दिया।

शिविर का शुभारंभ अतिरिक्त निदेशक आयुर्वेद विभाग, उदयपुर संभाग डॉ. रमेशचंद बैरवा ने किया। इस अवसर पर सहायक निदेशक डॉ. राकेश सोलंकी एवं डॉ. भानु कुमार जैन भी उपस्थित रहे। अतिरिक्त निदेशक डॉ. बैरवा ने कहा कि पंचकर्म आयुर्वेद की वैज्ञानिक एवं प्रभावी उपचार पद्धति है, जो केवल रोगों का उपचार ही नहीं करती, बल्कि शरीर की शुद्धि, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने और स्वस्थ जीवनशैली विकसित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने अधिकाधिक लोगों से शिविर का लाभ लेने की अपील की।

वरिष्ठ आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ. शोभालाल औदीच्य के निर्देशन में आयोजित पांच दिवसीय शिविर का उद्देश्य आमजन को पंचकर्म चिकित्सा की प्राचीन एवं वैज्ञानिक पद्धति से जोड़ना तथा पुराने एवं जटिल रोगों से राहत प्रदान करना है। शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा प्रत्येक रोगी की प्रकृति एवं रोग की स्थिति के अनुसार उपचार और परामर्श दिया जा रहा है।

आधुनिक जीवनशैली से बढ़ रहे घुटनों के रोग

डॉ. शोभालाल औदीच्य ने कहा कि वर्तमान समय की भागदौड़ भरी जीवनशैली, अनियमित खान-पान और शारीरिक गतिविधियों में कमी के कारण घुटनों के दर्द सहित कई वातजन्य रोग तेजी से बढ़ रहे हैं। उन्होंने बताया कि यदि लोग आयुर्वेदिक दिनचर्या, संतुलित आहार और नियमित योग को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं तो इन समस्याओं से काफी हद तक बचा जा सकता है। उन्होंने कहा कि पंचकर्म शरीर में संचित दोषों का शोधन कर रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने और शरीर को स्वस्थ एवं ऊर्जावान बनाए रखने में अत्यंत प्रभावी चिकित्सा पद्धति है।

शिविर में कमर दर्द, सर्वाइकल स्पॉन्डिलाइटिस, घुटनों का दर्द, गठिया, सायटिका, एवीएन, जोड़ों के दर्द, मांसपेशियों की जकड़न, माइग्रेन, अनिद्रा, मोटापा, कब्ज सहित विभिन्न वातजन्य एवं जीवनशैली से जुड़े रोगों का उपचार किया जा रहा है। आवश्यकता अनुसार अभ्यंग, स्वेदन, कटिबस्ति, ग्रीवाबस्ति, जानुबस्ति, शिरोधारा एवं बस्ति कर्म जैसी पंचकर्म प्रक्रियाएं भी कराई जा रही हैं। साथ ही रोगियों को आहार-विहार, योग, दिनचर्या एवं ऋतुचर्या से संबंधित आवश्यक परामर्श भी दिए जा रहे हैं।

डॉ. औदीच्य ने बताया कि शिविर 24 जुलाई तक संचालित रहेगा। अंतिम दिन अग्निकर्म विशेषज्ञ डॉ. वीरेंद्र सिंह हाड़ा अपनी विशेष सेवाएं देंगे। इस दौरान घुटनों का दर्द, सर्वाइकल, कमर दर्द, सायटिका, टेनिस एल्बो, एड़ी के दर्द सहित विभिन्न चयनित रोगों का अग्निकर्म चिकित्सा के माध्यम से परीक्षण एवं उपचार किया जाएगा।

शिविर के सफल संचालन में डॉ. शैलेंद्र शर्मा, डॉ. अंकिता सियाल, डॉ. संजय सोनी, डॉ. नितिन सेजू, डॉ. ऋतम्बरा सहित चिकित्सकों की टीम उपचार सेवाएं दे रही है। वहीं वरिष्ठ कम्पाउंडर शंकरलाल खराड़ी के नेतृत्व में इंदिरा डामोर, कंचन कुमार डामोर, कन्हैयालाल नागदा, वंदना शक्तावत, चंद्रेश परमार, अंजना बारोट, हेमंत पालीवाल, संगीता रेगर, त्रिलोचना अहारी, गजेन्द्र कुमार आमेटा, निर्भय सिंह भाटी एवं देवीलाल मेघवाल पंजीयन, रोगी मार्गदर्शन और चिकित्सा व्यवस्थाओं में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

21 जुलाई से 31 अगस्त तक आयोजित होंगे फॉलो-अप शिविर

जयपुर @ पदमावत मीडिया। राज्य सरकार के निदेर्शानुसार ग्रामीण सेवा शिविर-2026 के अंतर्गत 21 जुलाई से 31 अगस्त, 2026 तक जिले में फॉलो-अप शिविरों का आयोजन किया जाएगा। इन शिविरों में मुख्य अभियान के दौरान शेष रहे शिविर आयोजित किए जाएंगे तथा पूर्व में आयोजित शिविरों में प्राप्त सुझावों, लंबित प्रकरणों एवं जनसमस्याओं के प्रभावी समाधान के लिए विभागीय स्तर पर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। अतिरिक्त जिला कलक्टर प्रथम राजीव द्विवेदी ने बताया कि फॉलो-अप शिविरों में सभी विभागों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने बताया कि शिविरों के दौरान प्राप्त सुझावों का परीक्षण कर उनके क्रियान्वयन के लिए आवश्यक कार्यवाही की जाएगी। वहीं, रास्तों एवं अतिक्रमण से जुड़े प्रकरणों का प्राथमिकता से निस्तारण कराया जाएगा, ताकि ग्रामीणों को त्वरित राहत मिल सके।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं परिवहन विभाग की कार्रवाई : अवैध रूप से संचालित 4 लक्जरी स्लीपर बसें सीज, 6 बसों पर 85,000 का जुमार्ना लगाया

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

उदयपुर, 20 जुलाई। माननीय सदस्य सचिव राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के तत्वावधान में जिला एवं सेशन न्यायाधीश श्रीमान ज्ञान प्रकाश गुप्ता के निदेर्शों के क्रम में सुरक्षित परिवहन के नागरिकों के अधिकार की रक्षा करने और वैधानिक प्रावधानों व सरकारी दिशानिदेर्शों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए अभियान चलाया गया है। जिला न्यायाधीश ज्ञान प्रकाश गुप्ता के निदेर्शानुसार गोवेर्धन विलास थाना क्षेत्र मे बालीचा चैराहे पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं परिवहन

विभाग द्वारा एक संयुक्त औचक निरीक्षण किया गया। मोटर वाहन अधिनियम के नियमों का उल्लंघन कर अवैध रूप से संचालित होने वाली और बसों की बनावट में अनधिकृत संरचनात्मक संशोधन करने वाली बसों के खिलाफ यह सख्त कदम उठाया गया हैं । इस विशेष अभियान के दौरान टीम द्वारा नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर सख्त कार्रवाई अमल में लाई गईं निरीक्षण अभियान के तहत 10 बसों की जांच की गई तथा कुल 6 बसों के खिलाफ विभिन्न नियमों के उल्लंघन के तहत चालान बनाए गए। बस संचालकों पर लगभग 85 हजार का जुमार्ना लगाया गया। गंभीर अनियमितताएं और अनधिकृत बदलाव पाए जाने पर 4 बसों को मौके पर ही सीज किया गया। इस पूरी कार्रवाई को निष्पक्ष और सुचारू रूप से अंजाम देने के लिए प्रशासन, न्यायपालिका और पुलिस विभाग के आला अधिकारी मौके पर मौजूद रहे। जिनमें अपर जिला न्यायाधीश, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण राहुल चैधरी जिला परिवहन अधिकारी श्री मुकेश डाड परिवहन निरीक्षक श्री राजेंद्र दन्तसुलिया मौजूद रहे। मौजूद अधिकारियों ने बताया कि लक्जरी और स्लीपर बसों में अनधिकृत रूप से किए जाने वाले बदलाव सड़क सुरक्षा के लिए एक गंभीर खतरा हैं, जिससे कई बार भीषण हादसे होते हैं और कीमती मानव जीवन की हानि होती है। नियमों का उल्लंघन करने वाले बस संचालकों कार्रवाई की जाएगी। यह अभियान आगे भी इसी तरह सख्ती से जारी रहेगा ताकि आम जनता का सफर सुरक्षित बनाया जा सके।

खबर संक्षेप

ऑपरेशन त्रिनेत्र में राजसमंद पुलिस की बड़ी कार्रवाई:

70 लाख रुपये का 454 किलो डोडा चूरा जब्त

राजसमंद @ पदमावत मीडिया। मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे

ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत राजसमंद पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 454.385 किलोग्राम अवैध डोडा चूरा बरामद किया है। बरामद मादक पदार्थ की अनुमानित कीमत करीब 70 लाख रुपये बताई गई है। पुलिस ने कार्रवाई के दौरान एक तस्कर को गिरफ्तार कर तस्करी में प्रयुक्त स्कॉर्पियो वाहन तथा तीन फर्जी नंबर प्लेटें भी जब्त की हैं। जिला पुलिस अधीक्षक हेमंत कलाल के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महेंद्र पारीक तथा पुलिस उप अधीक्षक जितेंद्र सिंह के सुपरविजन में जिला विशेष टीम, साइबर टीम और चारभुजा थाना पुलिस ने संयुक्त रूप से नाकाबंदी की। इस दौरान संदिग्ध स्कॉर्पियो को रोकने का प्रयास किया गया, लेकिन चालक ने वाहन को भगाने का प्रयास किया। इसी दौरान वाहन में बैठे एक बदमाश ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने घेराबंदी कर चालक को पकड़ लिया, जबकि दूसरा आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर जंगल की ओर फरार हो गया, जिसकी तलाश जारी है। वाहन की तलाशी लेने पर 25 कट्टों में भरा 454.385 किलोग्राम डोडा चूरा बरामद हुआ। साथ ही वाहन से तीन फर्जी नंबर प्लेटें भी मिलीं। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि आरोपी पहचान छिपाने और पुलिस से बचने के लिए वाहनों पर अलग-अलग फर्जी नंबर प्लेटों का इस्तेमाल करते थे। गिरफ्तार आरोपी की पहचान गोविंद उर्फ गोविंदपाल पुत्र जोगाराम, निवासी भियाड़, थाना शिव, जिला बाड़मेर के रूप में हुई है।

अमर विजय दिवस के साथ ठाकुर अमरचंद बड़वा जयंती समारोह का शुभारंभ

उदयपुर @ पदमावत मीडिया। मेवाड़ के यशस्वी प्रधान ठाकुर अमरचंद बड़वा की 305वीं जयंती के अवसर पर ठाकुर अमरचंद बड़वा स्मृति संस्थान द्वारा पांच दिवसीय समारोह का शुभारंभ सोमवार को माणिक्य लाल वर्मा पार्क (दूध तलाई) में अमर विजय दिवस के रूप में किया गया। कार्यक्रम में ठाकुर

अमरचंद बड़वा के शौर्य, नेतृत्व और युद्ध कौशल को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। संस्थान के अध्यक्ष प्रो. विमल शर्मा ने बताया कि 21 जुलाई 1769 को मराठा सेना को उदयपुर छोड़ने पर विवश होना पड़ा था, जिसे मेवाड़ के इतिहास में अमर विजय दिवस के रूप में स्मरण किया जाता है। कार्यक्रम में आगामी आयोजनों की रूपरेखा भी प्रस्तुत की गई तथा बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिकों ने पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धासुमन अर्पित किए।

ओबीसी जनगणना में लापरवाही का आरोप

उदयपुर @ पदमावत मीडिया। सर्व ओबीसी समाज महापंचायत ट्रस्ट ने ओबीसी जनगणना में लापरवाही का आरोप लगाते हुए

संभागीय आयुक्त को ज्ञापन सौंपकर प्रभावी निगरानी की मांग की है। ट्रस्ट के संस्थापक दिनेश माली ने कहा कि कई स्थानों पर प्रगणकों द्वारा जनगणना कार्य गंभीरता से नहीं किया जा रहा है, जिससे शत-प्रतिशत ओबीसी जनगणना प्रभावित होने की आशंका है। ज्ञापन में उदयपुर संभाग के सभी जिलों के अधिकारियों की बैठक लेकर जनगणना कार्य का प्रभावी सुपरविजन सुनिश्चित करने की मांग की गई।

नव पदोन्नत आईपीएस अधिकारियों ने राज्यपाल से की शिष्टाचार भेंट

जयपुर @ पदमावत मीडिया। राजस्थान पुलिस सेवा से भारतीय पुलिस सेवा

(आईपीएस) में नव पदोन्नत अधिकारियों ने सोमवार को लोकभवन में राज्यपाल हरिभाऊ बागडे से शिष्टाचार मुलाकात की। इस अवसर पर राज्यपाल ने सभी अधिकारियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए आमजन की सेवा, समर्पण और ईमानदारी के साथ दायित्वों का निर्वहन करने का आह्वान किया।

मांडवगढ़ प्रतिष्ठा महोत्सव से पहले बड़ा घटनाक्रम :

हार्दिक हुंडिया की आपत्ति के बाद रमेश मुथा का स्पष्टिकरण, धर्म मयार्दा बनी चर्चा का केंद्र

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

कहा—प्रतिष्ठा शास्त्रसम्मत हो, सागरचंद्र का आयोजन से कोई संबंध नहीं; स्वामी भक्ति को नई दिशा देने के लिए स्वामी भाइयों को निःशुल्क फ्लैट देने की घोषणा

मुंबई/मांडवगढ़। मध्यप्रदेश के ऐतिहासिक एवं विश्वप्रसिद्ध श्री मांडवगढ़ जैन तीर्थ में प्रस्तावित प्रतिष्ठा महोत्सव से पहले जैन समाज में धर्म मयार्दा, शास्त्रीय परंपराओं और तीर्थ की गरिमा को लेकर नई चर्चा शुरू हो गई है। समाज के वरिष्ठ पत्रकार एवं जैन समाज के अग्रणी हार्दिक हुंडिया द्वारा प्रतिष्ठा महोत्सव में शिथिलाचार से जुड़े व्यक्तियों के प्रवेश का विरोध जताए जाने के बाद तीर्थ अध्यक्ष रमेश मुथा ने सार्वजनिक रूप से स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि सागरचंद्र का मांडवगढ़ प्रतिष्ठा महोत्सव, जीर्णोद्धार कार्य अथवा तीर्थ के किसी भी आधिकारिक कार्यक्रम से कोई संबंध नहीं है। उन्होंने कहा कि उन्हें न तो प्रतिष्ठा महोत्सव के लिए आमंत्रित किया गया है और न ही किसी निमंत्रण पत्र, पोस्टर अथवा आयोजन समिति में उनका कोई स्थान है।

धर्म मयार्दा से कोई समझौता नहीं होना चाहिए : हार्दिक हुंडिया

हार्दिक हुंडिया ने कहा कि मांडवगढ़ केवल एक तीर्थ नहीं, बल्कि जैन धर्म की गौरवशाली आस्था, इतिहास और परंपरा का प्रतीक है। ऐसे पवित्र तीर्थ में होने वाला प्रतिष्ठा महोत्सव पूरी तरह शास्त्रसम्मत, मर्यादित और धर्म की गरिमा के अनुरूप होना चाहिए। उन्होंने समाज से आह्वान किया कि प्रतिष्ठा जैसे पवित्र आयोजन में केवल धर्म और शास्त्र को सर्वोपरि रखा जाए तथा ऐसे किसी भी व्यक्ति को महत्व न दिया जाए, जिससे समाज में भ्रम या विवाद की स्थिति उत्पन्न हो।

रमेश मुथा ने दूर किया भ्रम, समाज से संयम बनाए रखने की अपील

तीर्थ अध्यक्ष रमेश मुथा ने कहा कि प्रतिष्ठा महोत्सव को लेकर समाज में किसी भी प्रकार का भ्रम फैलाने की आवश्यकता नहीं है। आयोजन पूरी पारदर्शिता, शास्त्रीय विधि-विधान और परंपराओं के अनुरूप संपन्न कराया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि सागरचंद्र का प्रतिष्ठा महोत्सव या मांडवगढ़ तीर्थ के किसी भी आधिकारिक कार्यक्रम से कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने समाजजनों से अपील की कि वे अपुष्ट चचाओं पर ध्यान देने के बजाय प्रतिष्ठा महोत्सव की सफलता और धर्म प्रभावना में सहयोग करें।

स्वामी भक्ति की परंपरा को मिलेगा नया विस्तार

रमेश मुथा ने स्वामी भक्ति की ऐतिहासिक परंपरा को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण घोषणा भी की। उन्होंने बताया कि मांडवगढ़ तीर्थ क्षेत्र में स्वामी भाइयों के लिए एक विशेष भवन का निर्माण कराया जाएगा, जिसमें कई स्वामी भाइयों को निःशुल्क फ्लैट उपलब्ध कराए जाएंगे। उन्होंने कहा कि यह पहल तीर्थ क्षेत्र में सेवा, साधना और स्वामी भक्ति की परंपरा को और अधिक मजबूत बनाएगी।

देशभर के श्रद्धालुओं से प्रतिष्ठा में सहभागिता का आह्वान

जैन समाज के वरिष्ठ समाजसेवी मनीष मेहता ने कहा कि मांडवगढ़ जैसे ऐतिहासिक तीर्थ की प्रतिष्ठा पूर्णतः शास्त्रसम्मत विधि-विधान के अनुसार संपन्न होनी चाहिए। उन्होंने देशभर के जैन समाज से बड़ी संख्या में प्रतिष्ठा महोत्सव में भाग लेने का आह्वान करते हुए कहा कि यह आयोजन किसी एक व्यक्ति या संस्था का नहीं, बल्कि पूरे जैन समाज की आस्था और गौरव का विषय है। सभी संप्रदायों को मिलकर जैन शासन की जय-जयकार और धर्म प्रभावना का वातावरण बनाना चाहिए।

देशभर के जैन समाज की निगाहें अब मांडवगढ़ प्रतिष्ठा महोत्सव पर

मांडवगढ़ प्रतिष्ठा महोत्सव को लेकर सामने आए इन बयानों के बाद देशभर के जैन समाज की निगाहें अब इस ऐतिहासिक आयोजन पर टिक गई हैं। समाज के प्रबुद्धजनों का मानना है कि मांडवगढ़ जैसे प्राचीन तीर्थों के प्रतिष्ठा महोत्सव केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि जैन संस्कृति, आस्था, परंपरा और शास्त्रीय मयार्दाओं के संरक्षण का महत्वपूर्ण अवसर होते हैं। ऐसे में समाज की अपेक्षा है कि पूरा आयोजन धर्म, शास्त्र, मयार्दा और पारदर्शिता के उच्चतम मानकों के अनुरूप संपन्न हो तथा यह महोत्सव जैन समाज की एकता, श्रद्धा और गौरव का ऐतिहासिक प्रतीक बने।

मदुरै में साध्वी आज्ञानिधि म.सा. आदि ठाणा-6 का भव्य चातुर्मास मंगल प्रवेश, आस्था और भक्ति से सराबोर हुआ शहर

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

संवाददाता : माणकमल भंडारी

भीनमाल। तमिलनाडु के मदुरै में साँचा सुमतिनाथ राजेन्द्र सूरि ट्रस्ट के तत्वावधान में आयोजित सदुरु समर्पणम् चातुर्मास-2026 के अंतर्गत साध्वी आज्ञानिधि म.सा. आदि ठाणा-6 का चातुर्मास मंगल प्रवेश श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास के वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर हजारों श्रद्धालुओं की उपस्थिति ने पूरे शहर को धर्ममय बना दिया। जगह-जगह पुष्पवर्षा, मंगल गीतों और जयघोषों के बीच साध्वी वृंद का भव्य स्वागत किया गया।

मीडिया प्रभारी माणकमल भंडारी ने बताया कि आराधना भवन से गाजे-बाजे, मंगलध्वनि और जयघोष के साथ भव्य शोभायात्रा प्रारंभ हुई। शोभायात्रा सोना-चांदी बाजार, साँचा सुमतिनाथ जैन मंदिर एवं साउथ मासी स्ट्रीट से होती हुई यतीन्द्र भवन पहुंची। पूरे मार्ग में श्रद्धालुओं ने अक्षत, श्रीफल एवं पुष्पवर्षा कर साध्वी वृंद का भावपूर्ण स्वागत किया। धर्ममय वातावरण में श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बन रहा था।

यतीन्द्र भवन में आयोजित धर्मसभा को संबोधित करते हुए साध्वी आज्ञानिधि म.सा. ने धर्म, संयम, तप, त्याग और आत्मकल्याण का संदेश देते हुए कहा कि चातुर्मास आत्मशुद्धि, साधना और आध्यात्मिक उन्नति का श्रेष्ठ अवसर है। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से चातुर्मास के दौरान अधिकाधिक धर्म आराधना, स्वाध्याय, तपस्या, सेवा एवं संस्कारमय जीवन अपनाने का आह्वान किया।

प्रवेश शोभायात्रा एवं आयोजन की व्यवस्थाओं में महावीर जैन सेवा मंडल, शहर के विभिन्न महिला मंडलों, बालिका मंडलों तथा आदिनाथ जैन मंडल का सराहनीय सहयोग रहा। कार्यक्रम का प्रभावी संचालन विजयराज गुलेच्छा ने किया।

इस अवसर पर सुमतिनाथ जैन बड़ा मंदिर ट्रस्ट की ओर से दिनेश सालेचा, सुमतिनाथ नया मंदिर ट्रस्ट की ओर से सुमेरमल गुलेच्छा, डूंगरचंद गुलेच्छा, हड़मान जैन सहित अनेक वक्ताओं ने साध्वी भगवंत का अभिनंदन करते हुए अपने श्रद्धाभाव व्यक्त किए।

कार्यक्रम में मीठालाल संखलेचा, बगदावरमल हरण, शिवराज भंडारी, मनोहरमल, रतनचंद संखलेचा, मूलचंद श्रीश्रीमाल, मीठालाल सालेचा, सुरेशकुमार पटियाट, सुरेशकुमार कटारिया सिंघवी, रमेशकुमार संखलेचा, नरपतराज बागरेचा, खीमराज पटवारी, दाड़मचंद जैन, हेमराज शाहजी, लकमीचंद बाफना, विजयराज गुलेच्छा, पदमराज भंडारी, राजेन्द्र चौपड़ा, पी. रमेशकुमार संखलेचा, किशोर संखलेचा, हरीश गुलेच्छा, रमेश तातेड एवं हितेश सदानी सहित मदुरै के विभिन्न जैन संघों एवं संस्थाओं के गणमान्य श्रावक-श्राविकाएं उपस्थित रहे।

चातुर्मास मंगल प्रवेश में चेन्नई, विजापुर, मायावरम, इंदौर, तिरुचिरापल्ली सहित अनेक शहरों से आए श्रद्धालुओं ने भी उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। महिला, पुरुष, युवा एवं बच्चों की बड़ी संख्या में उपस्थिति ने आयोजन को ऐतिहासिक स्वरूप प्रदान किया।

अंत में साँचा सुमतिनाथ राजेन्द्र सूरि ट्रस्ट ने आयोजन को सफल बनाने वाले सभी मंडलों, कार्यकताओं एवं श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त करते हुए चातुर्मास के दौरान आयोजित होने वाले धार्मिक, आध्यात्मिक एवं संस्कारमूलक कार्यक्रमों में अधिकाधिक सहभागिता निभाने का आग्रह किया।

गौड़ी पार्श्वनाथ नगर में नशामुक्ति यज्ञ, सैकड़ों लोगों ने व्यसन त्यागने और बच्चों को शिक्षित बनाने का लिया संकल्प

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

संवाददाता : माणकमल भंडारी

भीनमाल। सनातन संस्कृति जागरण संघ के घर-घर यज्ञ अभियान के अंतर्गत गौड़ी पार्श्वनाथ नगर में 176वें नशामुक्ति यज्ञ का आयोजन वैदिक विधि-विधान के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में नशामुक्ति, सामाजिक समरसता, संस्कार, शिक्षा और संगठित हिंदू समाज के निर्माण का संदेश देना रहा। यज्ञ में बड़ी संख्या में महिलाओं, युवाओं एवं बच्चों ने भाग लेकर आहुति अर्पित की और समाजहित के संकल्प लिए। सनातन संस्कृति जागरण संघ के वरिष्ठ सदस्य सुखराज माली ने बताया कि यज्ञ के मुख्य यजमान राहुल बंजारा रहे। उनके साथ बस्ती के अनेक परिवारों ने यज्ञ में भाग लेकर वैदिक परंपरा के अनुसार आहुतियां अर्पित कीं। यज्ञ की पूणार्हुति के बाद यज्ञ वेदी को साक्षी मानते हुए कई लोगों ने मांसाहार, शराब, बीड़ी, गुटखा एवं अन्य नशों का आजीवन त्याग करने का संकल्प लिया। साथ ही अपने बच्चों को शिक्षित कर संस्कारित नागरिक बनाने का भी प्रण लिया। यज्ञ के पश्चात आयोजित विचार गोष्ठी में नागरिक कल्याण मंच के अध्यक्ष माणकमल भंडारी ने कहा कि युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय है। युवाओं को नशे से दूर रखकर नैतिक मूल्यों, भारतीय संस्कृति और अध्यात्म से जोड़ना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। इस अवसर पर डॉ. अक्षय बोहरा, राजूसिंह माली एवं दीपाराम गहलोत ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए समाज में समानता, संगठन और नशामुक्ति अभियान को जनआंदोलन बनाने का आह्वान किया। उपस्थित सभी लोगों ने उनके सुझावों का समर्थन करते हुए इस अभियान को घर-घर तक पहुंचाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान बस्ती के अनेक लोगों ने सनातन संस्कृति जागरण संघ की सदस्यता भी ग्रहण की। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने सामूहिक रूप से चाय एवं जलपान ग्रहण किया। संगठन के मीडिया प्रभारी माणकमल भंडारी ने बताया कि कार्यक्रम में डॉ. अक्षय बोहरा, ओटाराम मेघवाल, वालाराम मौर्य सहित बड़ी संख्या में समाजबंधु उपस्थित रहे। यज्ञ का संचालन राव विक्रमसिंह आर्य ने वैदिक रीति-विधि से संपन्न कराया।

डूंगरपुर में यूआईडीएआई का नया आधार सेवा केंद्र शुरू

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

डूंगरपुर। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने सोमवार को डूंगरपुर में नए आधार सेवा केंद्र का शुभारंभ किया। यूआईडीएआई क्षेत्रीय कार्यालय दिल्ली के उप महानिदेशक अविनाश अग्रवाल ने केंद्र का उद्घाटन किया। केंद्र पर आधार नामांकन, बायोमेट्रिक एवं जनसांख्यिकीय अपडेट, त्रुटि सुधार और शिकायत निवारण सहित सभी प्रमुख सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध होंगी। केंद्र में चार परिचालन किट स्थापित की गई हैं और यह सार्वजनिक अवकाशों को छोड़कर प्रतिदिन संचालित रहेगा। यूआईडीएआई ने बताया कि 5 और 17 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट की सुविधा 30 सितंबर 2026 तक निःशुल्क उपलब्ध रहेगी। ऑनलाइन अपॉइंटमेंट की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है।

साइबर अपराधियों पर सरकार का सख्त शिकंजा, मुख्यमंत्री ने किया साइबर सुरक्षा अभियान पोस्टर का विमोचन

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

जयपुर। प्रदेश में साइबर अपराधों की रोकथाम और आमजन को डिजिटल सुरक्षा के प्रति जागरूक बनाने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को साइबर सुरक्षा अभियान के पोस्टर का विमोचन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि वर्तमान समय डिजिटल क्रांति का युग है। तकनीक ने जहां लोगों का जीवन अधिक सरल और सुविधाजनक बनाया है, वहीं साइबर अपराध जैसी नई चुनौतियां भी तेजी से सामने आई हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार साइबर अपराधियों के विरुद्ध सख्ती से कार्रवाई कर रही है तथा आमजन की आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

साइबर अपराधियों के नेटवर्क को ध्वस्त करने पर फोकस

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेशभर में साइबर अपराधियों की पहचान, गिरफ्तारी और उनके नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए व्यापक अभियान चलाए जा रहे हैं। आधुनिक तकनीक और नवाचारों के माध्यम से साइबर अपराधियों पर लगातार शिकंजा कसा जा रहा है, जिससे आमजन को सुरक्षित डिजिटल वातावरण उपलब्ध कराया जा सके।

R4C और हेल्पलाइन 1930 से मिलेगी त्वरित सहायता

मुख्यमंत्री ने बताया कि राजस्थान साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर (फ्4उ) के माध्यम से साइबर अपराधों की रोकथाम, अनुसंधान, तकनीकी समन्वय तथा विभिन्न एजेंसियों के बीच त्वरित सूचना आदान-प्रदान के लिए अत्याधुनिक व्यवस्था विकसित की जा रही है। इसके साथ ही साइबर हेल्पलाइन 1930 तथा ऑपरेशन एंटीवायरस जैसे अभियानों के माध्यम से साइबर अपराध के पीड़ितों को त्वरित सहायता उपलब्ध कराई जा रही है।

सतर्कता ही साइबर सुरक्षा का सबसे बड़ा उपाय

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेशवासियों से अपील की कि वे किसी भी संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करें, ओटीपी, बैंक संबंधी जानकारी अथवा पासवर्ड किसी के साथ साझा न करें और किसी भी संदिग्ध कॉल या संदेश के झांसे में न आएं। उन्होंने कहा कि यदि कोई व्यक्ति साइबर ठगी का शिकार होता है तो वह तत्काल 1930 हेल्पलाइन पर संपर्क करे अथवा राष्ट्रीय साइबर अपराध पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराए, ताकि समय रहते प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने कहा कि सुरक्षित नागरिक, सुरक्षित डिजिटल व्यवस्था और सुरक्षित राजस्थान का संकल्प राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा साइबर अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए हर स्तर पर ठोस प्रयास निरंतर जारी रहेंगे।

लुक चेंज करने के लिए पहनें माहेश्वरी साड़ी

साड़ी स्टाइल करना हम सभी को पसंद होता है। लेकिन यह तभी अच्छी लगती हैं, जब आप सही कलर और डिजाइन को इवेंट के हिसाब से वियर करते हैं।

साड़ी स्टाइल करना हम सभी को पसंद होता है। इसलिए जब भी साड़ी किसी खास दिन पर पहनने की बात आती है तो हम अलग-अलग डिजाइन ऑप्शन को सर्च करते हैं, ताकि सबसे अलग नजर आ सके। वहीं कई सारे लोग ऐसे होते हैं, जो इवेंट के हिसाब से साड़ी खरीदते हैं। वहीं कुछ फैब्रिक देखकर उन्हें खरीदना और पहनना पसंद करते हैं। अगर आपको भी कुछ नए फैब्रिक को ट्राई करना है तो आप इसके लिए मध्य प्रदेश की फेमस माहेश्वरी साड़ी को वियर कर सकती हैं। यह सिल्क फैब्रिक से तैयार की जाती है। साथ ही, पहनने में कंफर्टेबल होती है।

माहेश्वरी गोल्डन जरी वर्क साड़ी

साड़ी डिजाइन में आप गोल्डन वर्क वाली जरी वाले पैटर्न को ट्राई कर सकती हैं। इस तरह की साड़ी सॉफ्ट कपड़े से बनाई जाती है। इसलिए, इसे पहनना आसान होता है। वहीं इसमें जो वर्क किया जाता है वो बॉर्डर और पल्लू पर किया जाता है। इससे साड़ी और अच्छी लगती है। इसे हैवी टत देने के लिए छोटी-छोटी बूटी के डिजाइन को पूरी साड़ी में डिजाइन किया जाता है। साड़ी सिंपल भी लगती है। लेकिन जब एक्सेसरीज के साथ वियर की जाती है तो हैवी लुक देती है। आप इसे किसी भी इवेंट पर वियर कर सकती हैं। इसमें आपका लुक अच्छा लगेगा। इस तरह की साड़ी आपको मार्केट में 1,000 से 2,000 रुपये में मिल जाएगी।

बाटिक प्रिंट साड़ी डिजाइन

साड़ी स्टाइल करना पसंद है, तो आप बाटिक प्रिंट साड़ी स्टाइल कर सकती हैं। इस तरह की साड़ी दिखने में सुंदर लगती है। साथ ही, कॉटन साड़ी जैसा लुक देती है। आप इस तरह की साड़ी को ऑफिस या डे पार्टी में अच्छी एक्सेसरीज के साथ स्टाइल कर सकती हैं। इससे आपका लुक भी अच्छा लगेगा। साथ ही, आप सबसे अलग नजर आएंगी। इसमें आपको प्रिंट और डिजाइन अलग-अलग मिल जाएंगे, जिससे आपका लुक अच्छा लगेगा। मार्केट में इस तरह की साड़ी आपको 500 रुपये में मिल जाएगी।

कॉटन सिल्क माहेश्वरी साड़ी

आप फोटो में नजर आने वाली कॉटन माहेश्वरी सिल्क साड़ी को भी वियर कर सकती हैं। इस तरह की साड़ी डिजाइन डिफरेंट होते हैं। साथ ही, स्टाइल करने के बाद अच्छे लगते हैं। इसमें आपको डबल कलर के साथ बॉर्डर मिलेगा। साथ में गोल्डन जरी वर्क डिजाइन का पैटर्न मिलेगा। इससे साड़ी क्लासी नजर आएगी। आप इस साड़ी को किसी भी फंक्शन में स्टाइल कर सकती हैं। इससे आपका लुक अलग और सुंदर लगेगा। मार्केट में इस तरह की साड़ी आपको 1,000 से 2,000 रुपये में मिल जाएगी। मार्केट जाकर इस बार सिल्क या कॉटन नहीं बल्कि माहेश्वरी साड़ी को वियर करें। इसमें आपका लुक अच्छा लगेगा।

मानसून में घर की दीवारों में आ जाती है नमी, तो आज से ही करें ये काम

मानसून आते ही मौसम में ह्यूमिडिटी बढ़ जाती है, जिसके कारण घर की दीवारों का पेंट फूलने लगता है। इससे न सिर्फ दीवारें खराब होती है बल्कि इससे सटाकर रखी गई सामान भी बेकार हो जाती है।

मानसून में मौसम तो काफी सुहाना रहता है लेकिन इस दौरान अक्सर घरों में सीलन आने लगती है। दीवार पर मौजूद नमी धीरे-धीरे इससे सटे हुए सामान जैसे अलमारी, बेड आदि को खराब कर देता है। दरअसल, बारिश के मौसम में नमी का स्तर काफी बढ़ जाता है। ऐसे में घर की दीवारों को खास देखभाल करने की जरूरत होती है। ह्यूमिडिटी बढ़ने के कारण वॉल पर फफूंद के निशान और अजीब से दुर्गंध आने लगती है। अगर आप इस मानसून घर की दीवारों को खराब होने से बचाना चाहती है तो आज ही कर लें ये काम।

वाटरप्रूफ पेंट का करें इस्तेमाल

घर को सुंदर दिखाने में पेंट का अहम रोल होता है। ऐसे में पेंट करवाते समय वाटरप्रूफ कलर का इस्तेमाल करें। इस तरह से आप एक साथ दो काम कर सकते हैं पहला घर लंबे समय तक सुंदर और दूसरा बरसात से घर को सुरक्षित।

प्लम्बर से नल को कराएं चेक

घर में लगे पानी के टैप को समय-समय पर चेक करें। बारिश का पानी के बजाय कई बार पाइप कनेक्शन से रिसने वाले पानी के कारण दीवार में नमी आती है। ऐसे में दीवार में आने वाली नमी के कारण पेंट फूल कर गिरने लगता है, जिससे गंदगी और स्मेल दोनों बढ़ जाती है।

वेंटिलेशन का रखें ध्यान

बारिश होने के बाद घर की खिड़कियों को जरूर खोल दें। हल्की धूप निकलने पर घर के कपड़े से लेकर मैट परदे आदि को धूप दिखाएं। वेंटिलेशन का खास ख्याल रखें ऐसा करने से आप दीवारों को नमी से कुछ हद तक बचा सकते हैं।

पानी को निकलने वाली जगह को रखें क्लीन

घर में जहां पर पानी निकलने का सोर्स है उस जगह को हमेशा साफ रखें। कई बार नाली में जमी गंदगी व कचरे के कारण बारिश का पानी आसानी से बाहर नहीं निकल पाता। पानी एकत्र होने के कारण दीवार की मदद से वह ऊपर चढ़ने लगता है।

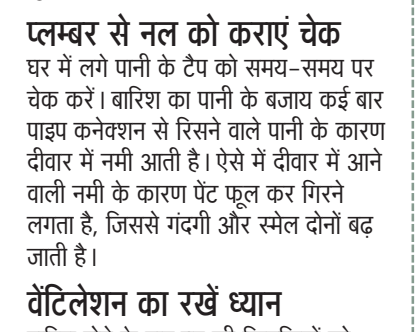

सर्दी हो या गर्मी हर मौसम में घर की सफाई रखनी जरूरी होती है। खासतौर इसकी जरूरत बारिश में ज्यादा हो जाती है क्योंकि इस दौरान नमी की वजह घर से स्मेल आने लगती है।

इन हैक्स की मदद से करें सफाई, क्लीन और स्मेल फ्री रहेगा घर

मानसून में घर को साफ-सुथरा रखना किसी चैलेंज से कम नहीं होता। बारिश के कारण घर में 24 घंटे नमी बनी रहती है जिसकी वजह से लकड़ी के फर्नीचर और कपड़ों में स्मेल और दीमक लगने की संभावना बढ़ जाती है। वहीं बाहर से आने पर घर में पानी के साथ-साथ कीचड़-मिट्टी हो जाता है। हालांकि सही क्लीनिंग हैक्स की मदद से इससे निजात पा सकती हैं। इन हैक्स को अपनाकर आप कम मेहनत में अपने घर को क्लीन और स्मेल फ्री रख सकती हैं।

बारिश में घर को साफ करने के लिए अपनाएं ये हैक्स

आमतौर पर बारिश के मौसम में सफाई का काम कई गुना बढ़ जाता है। इस समय कम धूप और ज्यादातर बारिश होती रहती है जिसके कारण से सीलन और चिपचिपाहट बनी रहती है। बेशक ही तेज हवा और बारिश गर्मी से आराम दिलाता है लेकिन काम बढ़ा देता है। इस दौरान न सिर्फ कीचड़ घर के अंदर आता है बल्कि कीड़े-मकोड़े भी बढ़ जाते हैं।

पानी सोखने वाले डोरमैट का करें इस्तेमाल

डोरमैट का इस्तेमाल हम सभी पैरों और जूतों पर लगी मिट्टी को साफ करने के लिए करते हैं। इस मौसम में घर के दरवाजे पर ऐसा डोरमैट बिछाए जो पानी और गंदगी को आसानी से सोख लें। आज के समय लोग बाजार में मिलने वाले फैशनेबल मैट का इस्तेमाल करते हैं, जिसमें पानी और गंदगी को साफ करना आसान तो होता है लेकिन इन्हें साफ करना काफी मुश्किल हो जाता है। बारिश में हल्का और नमी सोखने वाला डोरमैट इस्तेमाल करें। आप चाहें तो इसे घर पर पुराने कपड़े की मदद से बना सकती हैं। पायदान को दूसरे व तीसरे दिन में धोकर सुखा दें।

घर के अंदर आने वाले पानी को रोके

बारिश में घरों में सीलन आने की समस्या काफी आम बात है। लेकिन इससे होने वाली दिक्कत हर किसी को परेशान करती है। ऐसे में बारिश शुरू होने से पहले सीलन की समस्या का उपाय खोज लें। इसके लिए घर में बनी नालियों को साफ करें। दीवारों पर वाटरप्रूफ पेंट करें। दरार वाली जगहों को चेक कर सही कराएं।

अलमारी को बारिश से पहले करें साफ

वैसे तो हर मौसम में अपनी अलमारी को साफ करना जरूरी है। लेकिन अगर आपने अलमारी को दीवार से चिपकाकर रखा है तो उसकी नमी कपड़ों तक पहुंच जाती है। ऐसे में बारिश शुरू होने से पहले अलमारी को दीवार से हटाएं। इसके बाद अलमारी के अंदर बनी रैक पर पेपर बिछाकर कपड़ों को सही से व्यवस्थित करें। नमी आने के कारण अक्सर कपड़े बदबू करने लगते हैं। ऐसे में आप कपूर, दालचीनी और नीम की पत्तियों को बांधकर इसके बीच में रखें। ये सामग्री नमी को सोखने का काम कर उन्हें सुरक्षित रखता है।

आपका घर न लगे अस्त-व्यस्त, इसलिए इस तरह से करें व्यवस्थित

मानसून अपने साथ राहत लेकर आता है, यह तो हमको मालूम ही है। मगर आपने ध्यान दिया होगा कि अक्सर बारिश होने की वजह से चीजें अस्त-व्यस्त रहती हैं। घरों में सीलन आदि होने लगती है और इसी के कारण बदबू भी होने लगती है।

जरूरी है कि मानसून में आप अपने साथ-साथ घर का भी पूरा ख्याल रखें। अपने घर को मेंटेन रखने के लिए आप क्या-क्या तरीके अपना सकती हैं, इसके बारे में आपने सोचा है? अगर नहीं, तो हम ऐसे ही कुछ खास तरीके आपको बताने वाले हैं, जिसके साथ आप अपने घर को व्यवस्थित कर सकती हैं और मानसून की टेंशन से दूर हो सकती हैं।

खुशबू का रखें ख्याल

मानसून के कारण घरों में से एक अजीब से महक आना शुरू हो जाती है। वह दीवारों के गीले होने के कारण होती है। ऐसे में कभी आपके घर कोई मेहमान आ जाए तो आपको कितनी फजीहत होगी। ऐसा न हो इसके लिए हमेशा नियमित रूप से घर की साफ-सफाई करें। इसके अलावा अपने लिविंग रूम में एक पोटपोरी रखें, जिसमें एसेंशियल ऑयल डाला जाता है। इससे आपके कमरे खुशबू से महकते रहेंगे और गंदी बदबू से आपको छुटकारा मिलेगा।

इंडोर प्लांट्स लगाएं

अब इंडोर प्लांट्स तो आपके घर में होंगे ही, लेकिन ऐसे मौसम में उन पौधों को घर पर रखें, जो घर से ह्यूमिडिटी हटा सकें। साथ ही ऐसे पौधे भी लाएं, जो कम सनलाइट में भी बढ़ सकें। अगर किसी विशेष एरिया पर ज्यादा पौधे हैं, तो उन्हें हटाकर बालकनी की तरफ ले जाएं। मानसून में पौधों पर जल्दी कीड़े लगते हैं, इसका भी ध्यान रखें और उनकी देखभाल अच्छे से करें।

कारपेट्स को करें क्लीन

मानसून में सबसे ज्यादा गंदगी आपके कालीन पर होती है। वे जल्दी नम हो जाते हैं और उनमें धूल-मिट्टी भी चिपक जाती है। इस कारण कमरे में से गंदी बदबू आने लगती है। इसे हटाने के लिए कार्पेट को रोजाना वैक्यूम क्लीनर से क्लीन करें। हफ्ते में दो बार कार्पेट की डीप क्लीनिंग करें। वहीं, ऐसा बार-बार करना न चाहते हों, तो इस मौसम में कारपेट बिछाने से बचें। यह आप आपका वक्त भी बचाएगा और घर में गंदगी भी नहीं होगी।

लकड़ी के फर्नीचर का रखें खास ख्याल

हम सब जानते हैं कि मानसून में लकड़ी के फर्नीचर कितनी जल्दी खराब होते हैं। नमी के कारण लकड़ी फूल जाती है और दीमक की समस्या भी उत्पन्न होती है। इससे अपने फर्नीचर को बचाने के लिए नियमित रूप से वैक्सिंग का सहारा लें। अगर आपके दरवाजे, खिड़कियां फूली हुई लगें, तो सैंडपेपर की मदद से उन्हें साफ करें। ऐसे मौसम में किसी तरह का रेनोवेशन करवाने से भी बचना चाहिए। यह चीजों को और अस्त-व्यस्त कर सकता है।

किताबों की जगह बदलें

अगर आपके घर में सामान से ज्यादा किताबें रहती हैं, तो इस मौसम में उनका भी ख्याल रखें। अपने बुक शेल्फ को ऐसी जगहों से दूर कर दें, जहां नमी जल्दी पकड़ी हो। साथी ही उनके बीच कपूर की गोलियां डालना न भूलें। आप किताबों की आलमारी में सिलिका जेल के पाउच भी रख सकते हैं। इससे मॉइश्चर में कमी आती है और यह आसानी से बाजारों में उपलब्ध भी हो जाते हैं। इतना ही नहीं, घर की वायरिंग का भी खास ख्याल देना जरूरी है। मानसून में फ्लकचुएशन बहुत होती है। शॉर्ट सर्किट न हो इसके लिए अपनी वायरिंग की जांच भी करवाएं।

बरसाती कीड़ों से पाना है छुटकारा तो ऐसे करें घर की सफाई

बारिश के मौसम में बरसाती कीड़े के साथ ही घर में चीटी और काकरोच जैसी चीजें भी आने लगती है। ऐसे में अगर घर में छोटे बच्चे हैं तो आपको थोड़ा सतर्क रहना चाहिए। बारिश के मौसम में घर की सफाई करने के लिए आपको कुछ आसान हैक्स की मदद लेनी चाहिए।

दरार और छेद को बंद करें

घर की दीवारों, दरवाजों और खिड़कियों में मौजूद दरारों और छेदों को सीलेंट या प्लास्टर से बंद करें ताकि कीड़े घर के अंदर न आ सकें। ध्यान रखें कि मानसून के दिनों में घर की सफाई सही तरीके से करना चाहिए।

कूड़ेदान को साफ रखें

कूड़ेदान को रोजाना साफ करना चाहिए। अगर आप डेली कूड़ेदान को साफ नहीं करती हैं तो उसमें कीड़े लगने लगते है। कचरे को समय-समय पर बाहर निकालें। साथ ही आपको कूड़ेदान को भी धोते रहना चाहिए।

घर में जाली लगाएं

खिड़कियों और दरवाजों पर मानसून के महीने में जाली लगाएं ताकि कीड़े अंदर न आ सकें। साथ ही आपको रोजाना अपने घर को शाम के समय पोछा लगाना होगा।

गंदे बर्तन न छोड़ें

खाना खाने के बाद बर्तनों को तुरंत साफ करें। गंदे बर्तन लंबे समय तक छोड़ने के कारण बर्तन में कीड़े लगने लगते हैं। ऐसे में आपको ध्यान रखना है कि रात के समय भूलकर भी बर्तन को बेसिन में ना छोड़े।

खबर संक्षेप

यूडीए लगाएगा फॉलोअप कैंप

उदयपुर @ पदमावत मीडिया। राज्य सरकार द्वारा शहरी नागरिकों को प्रदत्त सेवाओं के शीघ्र निस्तारण एवं जन समस्याओं के समाधान एवं शहरी क्षेत्र को स्वच्छ सुंदर एवं सुव्यवस्थित बनाए रखने हेतु जनहित में ह्यशहरी सेवा शिविर 2026ह्ल का आयोजन दिनांक 12 जून से 15 जुलाई तक कैम्प आयोजित कर किया गया था। कैम्पों के दौरान दस्तावेजों के साथ आमजन से प्राप्त विभिन्न प्रकार के आवेदन पत्र जो कि निस्तारण से शेष है, उनका निस्तारण करने हेतु राज्य सरकार के निदेर्शानुसार 27 जुलाई से 31 अगस्त तक उदयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा ह्यशहरी सेवा शिविर 2026ह्ल के फॉलोअप कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। यूडीए सचिव ने बताया कि उक्त फॉलोअप कैम्प के दौरान ह्यशहरी सेवा शिविर 2026ह्ल के दौरान प्राप्त हुए आवेदन पत्रों के जिन प्रकरणों में मांग पत्र जारी हो गया है, ऐसे प्रकरणों में शिविर के दौरान प्राप्त होने वाली शिथिलता या छूट के तहत राशि जमा की जाएगी एवं जिन प्रकरणों में मांग पत्र जारी नही हुआ है ऐसे प्रकरणों में भी फॉलोअप कैम्प के दौरान मांग पत्र जारी किया जाकर राशि जमा करवाई जाएगी एवं प्रकरणों का निस्तारण किया जाएगा। शहरी सेवा शिविर 2026 एवं फॉलोअप कैम्प के दौरान प्राप्त आवेदन पत्रों का निस्तारण शिविर अवधि में दी गई शिथिलता या छूट के अनुरूप किया जायेगा।

अच्छी बारिश की कामना के लिए सामूहिक परसादी का आयोजन

उदयपुर @ पदमावत मीडिया। शहर के समीप बड़गांव गांव में अच्छी बारिश की

कामना के लिए सामूहिक परसादी का आयोजन किया गया। भगवान श्री इंद्रदेव को मनाने और अच्छी बारिश की कामना को लेकर ग्राम वासियों की ओर से सामूहिक रूप से गांव के खेड़ा देवी मंदिर पर भगवान को चूरमे का भोग लगाया गया और पूजा अर्चना की गई। इस अवसर पर गांव के सभी मंदिरों पर साज श्रृंगार के साथ पूजा अर्चना की गई और अच्छी बारिश के साथ-साथ गांव की खुशहाली और समृद्धि की कामना भी की गई।

21 जुलाई से 31 अगस्त तक लगेंगे ग्रामीण एवं शहरी सेवा शिविरों के फॉलो-अप कैंप

उदयपुर @ पदमावत मीडिया। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर प्रदेश भर में चलाए गए शहरी एवं ग्रामीण सेवा शिविरों की निरंतरता बनाए रखने और मुख्य अभियान के दौरान लंबित रहे कार्यों के त्वरित निस्तारण के उद्देश्य से 21 जुलाई से 31 अगस्त, 2026 तक फॉलो-अप शिविर आयोजित करने के निर्देश जारी किए हैं। राजस्व (ग्रुप-5) विभाग एवं स्वायत्त शासन विभाग ने इस बाबत सभी संभागीय आयुक्तों एवं जिला कलक्टरों को इन शिविरों के सफल आयोजन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं। जारी आदेश के अनुसार, पूर्व में 12 जून से 15 जुलाई, 2026 तक चले मुख्य अभियान की निरंतरता में इन फॉलो-अप शिविरों का आयोजन किया जा रहा है, ताकि छूटे हुए कार्यों को पूरा किया जा सके। फॉलोअप कैम्प में राजस्व विभाग सहित कुल 22 विभागों द्वारा आमजन की समस्याओं और सरकारी योजनाओं से जुड़े कार्यों का संपादन किया जाएगा। जिन ग्राम पंचायतों में मुख्य अभियान के दौरान शिविर शेष रह गए थे, वहां पहले मुख्य शिविर आयोजित किए जाएंगे और फिर 31 अगस्त से पहले फॉलो-अप कैंप लगाए जाएंगे। आदेश के अनुसार, फॉलो-अप शिविरों में मुख्य अभियान के दौरान शेष रहे कार्यों का निस्तारण प्राथमिकता से किया जाएगा। साथ ही प्रत्येक लाभार्थी का नाम एवं मोबाइल नंबर दर्ज करने, विभागवार संपादित कार्यों, सफलता की कहानियों और समाचारों का संकलन कर जिला स्तर पर प्रकाशन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि शिविरों के दौरान आमजन से प्राप्त सुझावों का परीक्षण कर उन्हें क्रियान्वित करने की कार्रवाई की जाएगी। जिला कलक्टर गौरव अग्रवाल ने संबंधित विभागों को समन्वित रूप से कार्य करने, शिविर स्थलों पर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने तथा फॉलो-अप शिविरों की प्रगति रिपोर्ट पोर्टल पर नियमित रूप से अपडेट करने के निर्देश भी दिए गए हैं। राजस्व विभाग ने स्पष्ट किया है कि ग्रामीण क्षेत्रों में रास्ते के विवाद तथा सरकारी जमीनों पर अतिक्रमण से जुड़े प्रकरणों को इन शिविरों में प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित किया जाएगा। शिविरों में ई-मित्र कियोस्क की सेवाएं भी उपलब्ध रहेंगी।

फैंस से पूछा- आपकी तबियत कैसी है?

आधी रात सलमान खान ने किया पोस्ट

कैप्शन ने खींचा ध्यान

सलमान खान ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर की, जिसमें उन्होंने उनकी कुछ तस्वीरें डालीं। इन तस्वीरों में एक्टर हैट लगाए ब्लैक एंड व्हाइट तस्वीरों में पोज देते नजर आ रहे हैं। इसके अलावा सबसे ज्यादा जिस चीज ने ध्यान खींचा वो था उनका कैप्शन। उन्होंने कैप्शन में लिखा- 'आप लोगों की तबीयत कैसी है?' अब उनके कैप्शन को एक तंज के तौर पर लिया जा रहा है।

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान ने रविवार देर रात एक पोस्ट शेयर की, जो अब चर्चाओं में आ गई है। जानिए क्या है पूरा मामला। एक्टर सलमान खान अगर देर रात कुछ पोस्ट करते हैं, तो उसके पीछे जरूर कुछ वजह होती है। वे अक्सर अपने इंस्टाग्राम और एक्स पर ऐसी पोस्ट शेयर किया करते हैं। अब हाल ही में उन्होंने कुछ ऐसा पोस्ट किया, जो काफी वायरल हो रहा है।

बीते दिनों वीडियो हुआ था वायरल

दरअसल बीते दिनों उनका एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें कई फैंस ने उनके लुक को देखकर उनकी तबीयत ठीक होने के सवाल पूछे थे। इसके अलावा कई पैपराजी पेज ने भी उस वीडियो पर उनकी तबीयत से जुड़ा कैप्शन लिखकर वीडियो शेयर किया था। अब सलमान खान का ये पोस्ट उन सभी बातों पर तंज की तरह देखा जा रहा है। हालांकि सलमान ने इस मामले पर सीधे तौर पर कोई बयान नहीं दिया है।

राष्ट्रीय पुरस्कारों में आर्टिकल 370 का दबदबा, आदित्य धर बोले-

ईमानदारी, साहस और निष्ठा के साथ बनाई फिल्म

फिल्म निर्माता आदित्य धर ने फिल्म 'आर्टिकल 370' के लिए तीन राष्ट्रीय पुरस्कार मिलने पर आभार व्यक्त किया है। आदित्य धर ने हाल ही में 'धुरंधरः द रिवेंज' का निर्देशन किया। फिल्म 'आर्टिकल 370' ने सर्वश्रेष्ठ संगीत, सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री और सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म के लिए 3 पुरस्कार जीतकर राष्ट्रीय पुरस्कारों में अपना दबदबा कायम किया। आदित्य ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक लंबा नोट लिखा। उन्होंने कहा, ''आर्टिकल 370' के लिए तीन राष्ट्रीय पुरस्कार जीतना एक ऐसा क्षण है, जिसे शब्दों में बयां करना मुश्किल है।

यह मेरे लिए गर्व की बात है, बेहद भावुक कर देने वाला है और मेरे दिल को अपार कृतज्ञता से भर देता है। जब हमने इस फिल्म को बनाना शुरू किया था, तब हमारा मकसद पुरस्कारों के पीछे भागना नहीं था। हम एक दृढ़ विश्वास से प्रेरित थे, एक ऐसी कहानी को ईमानदारी, साहस और निष्ठा के साथ कहना। अब यह देखना वाकई बहुत भावुक कर देने वाला है कि देश भर के दर्शकों ने इस सफर को इतना पसंद किया और अब इसे भारतीय सिनेमा के सबसे बड़े सम्मान से नवाजा जा रहा है।

उन्होंने आगे कहा, 'इस अविश्वसनीय सम्मान के लिए मैं सम्मानित जूरी का तहे दिल से आभारी हूं और उन सभी लोगों का भी जिन्होंने 'आर्टिकल 370' को देखा, समर्थन दिया, इस पर बहस की और इस पर विश्वास किया। आपके प्यार ने इस फिल्म को पर्दे से परे एक जीवंतता दी। यह सम्मान हमारे असाधारण निर्देशक आदित्य सुहास जांभले का है, जिनकी दूरदृष्टि और दृढ़ विश्वास ने हर दृश्य को आकार दिया। यामी गौतम धर और प्रियामणि का भी, जिन्होंने अपने अभिनय में इतनी गहराई, शक्ति और प्रामाणिकता लाई। शाश्वत सचदेव का भी, जिनका संगीत हमारी फिल्म की आत्मा बन गया।

'इश्क़नामा' के 'नरक' को शहनाज़ ने दी अपनी आवाज़

इश्क़नामा की रिलीज़ से पहले शहनाज़ गिल ने फैंस को एक खूबसूरत सरप्राइज़ दिया है। फिल्म के सबसे पसंद किए जा रहे गानों में से एक 'नरक' को शहनाज़ ने अपनी आवाज़ और अपने अंदाज़ में पेश किया है। ओरिजिनल गाने को बी प्राक और ज्योतिका टांगरी ने अपनी आवाज़ दी है, वहीं अब शहनाज़ का स्पेशल कवर वर्ज़न इस गाने में इमोशन्स की एक नई परत जोड़ता है। जानी के लिखे और कंपोज़ किए गए 'नरक' ने पहले ही सुनने वालों के दिलों को छू लिया है। यह गाना फिल्म के मुख्य किरदार नसीमा और निम्मा के बीच के दर्द, तड़प और अनकहे प्यार को बयां करता है। पर्दे पर इन किरदारों को शहनाज़ गिल और जय रंधावा ने निभाया है। फिल्म में नसीमा का किरदार निभाने वाली शहनाज़ इस कवर के जरिए गाने को एक अलग नज़रिए से सामने लाती हैं। ओरिजिनल को दोहराने के बजाय उन्होंने इसे बेहद सॉफ्ट और दिल के करीब अंदाज़ में गाया है, जिसमें नसीमा के जज़्बात साफ महसूस होते हैं। अपने कवर वर्ज़न को लेकर शहनाज़ गिल ने कहा, ''नरक' 'इश्क़नामा' के मेरे सबसे पसंदीदा गानों में से एक है, इसलिए इसका अपना वर्ज़न रिकॉर्ड करना मेरे लिए बेहद खास रहा। मैंने फिल्म में नसीमा का किरदार निभाया है, इसलिए इस गाने से मेरा पहले से ही एक इमोशनल कनेक्शन था। मैं ओरिजिनल को दोबारा बनाने की कोशिश नहीं कर रही थी, क्योंकि बी प्राक और ज्योतिका ने इसे पहले ही इतनी खूबसूरती और रूह के साथ गाया है। मैं बस इसे अपने अंदाज़ में गाना चाहती थी और उम्मीद करती हूं कि लोग मेरे इस वर्ज़न से भी जुड़ेंगे। शहनाज़ पिछले कई सालों में पंजाबी और हिंदी गानों के जरिए अपनी सिंगिंग का हुनर दिखा चुकी हैं। अब 'नरक' के इस कवर के साथ उन्होंने इश्क़नामा से अपने जुड़ाव को और भी पर्सनल बना दिया है। फिल्म की रिलीज़ से पहले यह कवर दर्शकों को इसकी इमोशनल दुनिया को एक नए अंदाज़ में महसूस करने का मौका देता है।

● आपत्तिजनक कंटेंट के सवाल पर निरहुआ बोले-

सिर्फ भोजपुरी सिनेमा को निशाना बनाना ठीक नहीं

भोजपुरी अभिनेता और नेता दिनेश लाल यादव उर्फ निरहुआ ने भोजपुरी सिनेमा को लेकर लंबे समय से हो रही आलोचनाओं पर अपनी बात रखी है। आलोचकों ने भोजपुरी सिनेमा में महिलाओं को वस्तु की तरह दिखाने और अश्लील कंटेंट को बढ़ावा देने जैसे आरोप लगाए हैं। इस पर निरहुआ ने कहा कि कुछ प्रोजेक्ट के आधार पर पूरी फिल्म इंडस्ट्री को आंकना गलत है। आईएएनएस से ??बात करते हुए निरहुआ ने कहा कि हर क्षेत्रीय और राष्ट्रीय फिल्म इंडस्ट्री अलग-अलग तरह का कंटेंट बनाती है और सिर्फ भोजपुरी सिनेमा को ही अलग करके नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि हर इंडस्ट्री में हर तरह की फिल्में और हर तरह का कंटेंट बनता है जैसे बॉलीवुड, साउथ इंडियन सिनेमा, भोजपुरी सिनेमा और मराठी सिनेमा हैं, वैसे ही हर इंडस्ट्री दर्शकों के हर वर्ग की पसंद का ध्यान रखती है। '

भोजपुरी फिल्मों में ज्यादातर आपत्तिजनक कंटेंट होने के सवाल पर निरहुआ ने कहा, 'जब हम सिर्फ एक खास तरह के काम को ही दिखाते हैं तो ऐसा लगने लगता है कि वहां बस वैसा ही काम हो रहा है। यह सच नहीं है। अच्छा और बुरा काम हर जगह होता है। एक्टर ने इस बात पर भी जोर दिया कि कमियां हर इंडस्ट्री में होती हैं और उन्हें पूरी इंडस्ट्री की पहचान नहीं बनाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'मैं एक बहुत अच्छी बात कहूंगा, 'लाख बुराइयां सबमें होती हैं। कोई भी इंसान कमियों से परे नहीं होता। ऐसा कोई बाग दिखा दीजिए जहां गुलाब में कांटे न हों। यह हर जगह होता है। बस कुछ चीजें अधिक दिखाई जाती हैं, इसलिए लोगों को लगने लगता है कि वहां बस वही सब है। भोजपुरी सिनेमा के सबसे बड़े स्टार्स में से एक निरहुआ ने कई सफल फिल्मों में मुख्य भूमिका निभाई है, जिनमें 'निरहुआ रिक्शावाला', 'निरहुआ हिंदुस्तानी', 'पटना से पाकिस्तान', 'बॉर्डर', 'सिपाही', 'जिगरवाला' और 'निरहुआ चलल लंदन' शामिल हैं।

नेहा ने कामकाजी महिलाओं को लेकर कही बात

पार्टनर के सपोर्ट को बताया जरूरी

नेहा धूपिया महिलाओं से जुड़े मुद्दों पर मुखर होकर बोलती हैं। हाल ही में उन्होंने एक पॉडकास्ट में कामकाजी महिलाओं की समस्याओं और समाधान को लेकर बात की। हाल ही में नेहा धूपिया ने एक्ट्रेस सोहा अली खान के पॉडकास्ट में शिरकत की। इस पॉडकास्ट में नेहा ने शादी और मां बनने के बाद हुए बदलावों का जिक्र किया। साथ ही बताया कि बिना सपोर्ट के कामकाजी महिलाओं का जीवन आसान नहीं है।

नेहा-अंगद की शादी को हो चुके हैं 8 साल

नेहा धूपिया ने मई 2018 में दिल्ली में एक निजी समारोह में एक्टर अंगद बेदी से शादी की थी। साल 2018 में उनकी बेटी मेहर का जन्म हुआ। फिर साल 2021 में बेटे को नेहा ने जन्म दिया। इन दिनों भी नेहा फिल्मों में अभिनय करती हैं।

अंगद ने सपोर्ट किया

नेहा धूपिया ने बताया कि बेटी मेहर के जन्म के बाद उनकी जिंदगी काफी बदल गई थी। लेकिन पति अंगद का सपोर्ट भी मिला। वह कहती हैं, 'मुझे लगता है कि हर कामकाजी महिला के पीछे आमतौर पर एक आदमी होता है जो उसे संभालता है। वह आपका पार्टनर और आपका पति होता है। अगर ऐसा नहीं है, तो समझ लीजिए कि कोई समस्या है, क्योंकि यह मुश्किल काम होता है।

कार्ययोजना बनाकर लक्ष्य पूर्ण करें : आबकारी आयुक्त

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

उदयपुर। आबकारी आयुक्त नमित मेहता ने कहा कि प्रदेश सरकार की मंशा के अनुरूप समस्त आबकारी अधिकारीगण विभागीय लक्ष्य की पूर्ति के लिए आपसी समन्वय एवं कार्ययोजना बनाकर कार्य करें जिससे निर्धारित समयावधि में वांछित लक्ष्य की प्राप्ति की जा सके। उन्होंने कहा कि राजस्व अर्जन विभाग की प्राथमिकता है अतः राजस्व लक्ष्यों के प्रति सजग रहते हुए सर्कलवार एवं दुकानवार नियमित समीक्षा करें जिससे राजस्व अर्जन, राजस्व बाकियात, निरोधात्मक गतिविधियां सहित समस्त लक्ष्यों को सुगमता से प्राप्त किया जा सकता है। आबकारी आयुक्त जिला परिषद उदयपुर के सभागार में आबकारी अधिकारियों की राज्य स्तरीय विभागीय समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। आबकारी आयुक्त ने कहा कि राजस्व लक्ष्य अर्जन में कई जिलों में अपेक्षित प्रगति नही है राजस्व की वांछित वृद्धि नही है अतः मदिरा उठाव, नियमित रिव्यू एवं टीमवर्क से कार्य किया जाना चाहिए। इस संबंध में कोताही बरतने पर संबंधित जिलों के अधिकारियों के विरूद्ध नियमानुसार कार्रवाई प्रस्तावित की जाएगी। बैठक में राजस्व अर्जन एवं बाकियात वसूली में पिछडे.जिलों को माईक्रो लेवल मॉनिटरिंग करने के निर्देश देते हुए समस्त अतिरिक्त आयुक्त जोन को सर्कलवार एवं जिला आबकारी अधिकारियों को दुकानवार राजस्व संबंधी समीक्षा के लिए निर्देशित किया गया। आबकारी आयुक्त

नमित मेहता ने प्रदेश में निरोधात्मक कार्रवाई के प्रति उदासीन जिलों को अपेक्षा के अनुरूप अवैध मदिरा पर कार्रवाई के निर्देश देते हुए गिरफ्तारी एवं जब्ती की कार्रवाई में वृद्धि की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि निरोधात्मक कार्रवाई में वृद्धि कर प्रदेश में अन्य राज्य की अवैध मदिरा की तस्करी की पुख्ता रोकथाम संभव है जिससे राजस्व लीकेज में कमी आएगी। बैठक में अधिकारियों को होटल्स, रिसोर्ट, लग्जरी विला में नियमित जांच करने एवं अवैध शराब के संबंध में जागरूक करने को कहा गया साथ जहां अवैध मदिरा की शिकायत है वहां प्रभावी कार्रवाई के लिए निर्देशित किया गया। समीक्षा बैठक में मदिरा उठाव को 120 प्रतिशत करने के निर्देश दिए। आबकारी आयुक्त ने बाकियाता वसूली में तेजी लाने की आवष्यकता बताई। इस संबंध में कमजोर प्रदर्शन करने वाले जिलों को संवेदनशील होकर कार्य करते हुए नियमानुसार बकायादारों की सम्पत्ति अटैच एवं कुर्की की कार्रवाई के लिए भी निर्देशित किया गया। बैठक में मुखबिर योजना के तहत लंबित प्रकरणों का षीघ्र निस्तारण, 12 माह से अधिक अवधि के पेंडिग चालान एवं केसेज का निस्तारण, जब्त वाहनों की नीलामी आगामी 15 अगस्त तक करने, पेंडिंग कन्टेम्ट केसेज, राजस्थान सम्पर्क पोर्टल पर लंबित प्रकरणों का समयाविधि में निस्तारण के लिए भी निर्देशित किया गया। अन्त में विभाग में ई-ग्रास के स्थान पर आरएमएस अथवा रेवेन्यू मेनेजमेन्ट सिस्टम लागू करने संबंधी जानकारी भी दी गई। इस मौके पर अतिरिक्त आबकारी आयुक्त नीति प्रदीप सिंह सांगावत ने पीपीटी प्रजेन्टेशन के माध्यम से जिलों में कार्य की प्रगति संबंधी विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर वित्तिय सलाहकार सुनिता विजय, प्रदेश के समस्त अतिरिक्त आबकारी आयुक्त जोन, उपायुक्त आबकारी निरोधक दल, जिला आबकारी अधिकारी, सहायक आबकारी अधिकारी सामान्य आदि उपस्थित थे।

आगामी नगरीय निकाय एवं पंचायतीराज चुनावों की तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित

राजसमंद @ पदमावत मीडिया। आगामी नगरीय निकाय एवं पंचायतीराज संस्थाओं के आम चुनावों की तैयारियों के मद्देनजर जिला निर्वाचन अधिकारी (कलेक्टर) अरुण कुमार हसीजा ने सोमवार को जिला कलक्ट्रेट सभागार में निर्वाचन कार्य से जुड़े सभी प्रकोष्ठों के प्रभारी अधिकारियों की पहली तैयारी बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। इस दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी नरेश बुनकर, जिला परिषद सीईओ बृजमोहन बैरवा सहित सभी प्रकोष्ठों के प्रभारी मौजूद रहे। बैठक में निर्वाचन प्रक्रिया को समयबद्ध, पारदर्शी, निष्पक्ष एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपादित करने के लिए गठित विभिन्न प्रकोष्ठों की जिम्मेदारियों की विस्तृत समीक्षा की गई। जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि राज्य निर्वाचन आयोग के दिशा-निदेर्शों के अनुरूप प्रत्येक प्रकोष्ठ अपनी जिम्मेदारियों का गहन अध्ययन करते हुए अभी से कार्ययोजना तैयार करे तथा सभी तैयारियां निर्धारित समयसीमा में पूर्ण करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि निर्वाचन कार्य अत्यंत संवेदनशील एवं समयबद्ध प्रक्रिया है, इसलिए सभी अधिकारी आपसी समन्वय बनाए रखते हुए प्रत्येक कार्य को गंभीरता और जिम्मेदारी से संपादित करें।

कार्यपालक मजिस्ट्रेट नियुक्त

उदयपुर @ पदमावत मीडिया। जिले में 25 जुलाई से 12 अगस्त तक आयोजित होने वाली सेना भर्ती रैली वर्ष - 2026-2027 हेतु कानून एवं शान्ति व्यवस्था बनाए रखनेजिला मजिस्ट्रेट एवं कलक्टर गौरव अग्रवाल ने एक आदेश जारी करते हुए तहसीलदार बंडगावं हितेश त्रिवेदी को कार्यपालक मजिस्ट्रेट नियुक्त किया है। उल्लेखनीय है कि सेना भर्ती रैली महाराणा प्रताप खेलगांव परिसर में आयोजित होगी। इसमें प्रतिदिन 800 से 1000 अभ्यर्थी भाग लेंगे।

स्वत्वाधिकारी, संस्थापक, प्रकाशक एवं प्रधान सम्पादक : **पवन मॉगीलाल जैन उर्फ पवन जैन पदमावत, प्रधान कार्यालय** : गणेश नगर, कांदिवली वेस्ट, मुम्बई, महाराष्ट्र, भारत - 400067 से अमुद्रित ऑनलाईन प्रकाशित। **मो. नं.** : +91-95945-42679
e-mail :- padmavatmedia@gmail.com / Web : padmavatmedia.in (नोट : पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी)। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र मुम्बई, महाराष्ट्र होगा। उक्त ई-पेपर को अवैध रूप से छपवाना कानूनी अपराध हैं।